IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, March 2023
Impact Factor: 7.301

भारतीय समाज में महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (रीवा शहर के विशेष सन्दर्भ में)

Dr. Madhulika Shrivastava
Professor, Department of Sociology
Government Thakur Ranmat Singh College, Rewa, (M.P), India

सारांश

इतिहास से लेकर आज के आधुनिक युक तक अगर नजर डाले तो भारतीय समाज में स्त्रियों को योगदान पुरूषों के मुकबले कम नहीं है बदले समय के साथ–साथ स्त्रियों नें भी पुरूषों के समाज ही हर क्षेत्र में तरक्की की है। जिस पर कभी पुरूषों का वर्चस्व हुआ करता था जैसे राजनीतिक प्रशासनिक सेवायें कॉपरेट खेल इत्यादि सभी क्षेत्रों मे स्त्रियों की अच्छी कार्य क्षमता एवं बुद्धिमता के प्रर्दशन को नकारा नही जा सकता। लेकिन आज भी हमारे समाज में स्त्रियां असुरक्षित महसूस करती है। उन्हे अत्याचार और शोषण का शिकार होना पडता है। वैसे तो सरकार ने महिला आयोग जैसे संस्थाओं का निर्माण कर रखा है। पर सभी के लिये उसका लाभ उठा पाना सम्भव नही हो पाता क्योकि महिलाओं के लिये बने कानून एवं अधिकारो की जानकारी का आभाव भी इसका मुख्य कारण है।

मुख्य शब्दः– समाज, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति, महिलायें परिवर्तन।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

1. भारत सरकार, आर्थिक समीक्षा 2020–21।
2. दोषी, एस0एल0 एवं जैन पी0सी0 (2007) भारतीय समाज में नारी, भारतीय समाज, सरंचना एवं परिवर्तन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस जयपुर पू0सं0 322–337।
3. पाठक ए, (1998) इंडियन माडर्निटी, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस न्यू देहली।
4. अग्रवाल एन. (1983) वीमेन स्टडी इन एशिया एण्ड पेसिफिक–ऐन ओवरव्यू ऑव करेंट स्टेंटट एण्ड नीडेड प्रियारिटीज एपीडीसी।
5. श्री भदगवदगीता, गीता–प्रेस, गोरखपुर।